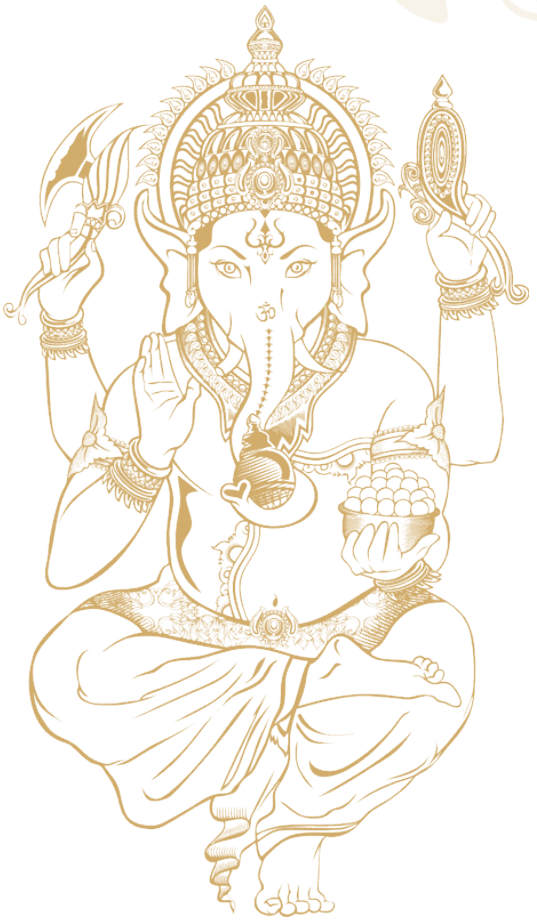

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
17/10/1997	जन्म तिथि	05/09/2002
शुक्रवार	दिन	गुरुवार
घंटे 07:30:00	जन्म समय	20:15:00 घंटे
घटी 02:46:53	जन्म समय(घटी)	35:35:00 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Shamli
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	29:27:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:18:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:20:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:23:14	सूर्योदय	06:00:07
17:49:30	सूर्यास्त	18:38:31
23:49:29	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:24

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
केतु 0वर्ष 3मा 3दि		13:32:50	तुला	लग्न	मीन	24:48:05	बुध 2वर्ष 10मा 3दि	
चन्द्र		29:54:45	कन्या	सूर्य	सिंह	18:58:34	शुक्र	
20/01/2024		12:50:18	मेष	चंद्र	कर्क	27:46:09	10/07/2012	
20/01/2034		19:05:10	वृश्चि	मंगल	सिंह	10:34:03	10/07/2032	
चन्द्र	20/11/2024	02:09:21	तुला	बुध	कन्या	15:36:30	शुक्र	09/11/2015
मंगल	21/06/2025	18:23:54	मक	गुरु	कर्क	13:32:31	सूर्य	09/11/2016
राहु	21/12/2026	15:49:50	वृश्चि	शुक्र	तुला	04:02:55	चन्द्र	10/07/2018
गुरु	21/04/2028	22:32:25	मीन व	शनि	मिथु	04:02:18	मंगल	10/09/2019
शनि	20/11/2029	25:33:00	सिंह व	राहु व	वृष	19:34:36	राहु	09/09/2022
बुध	21/04/2031	25:33:00	कुंभ व	केतु व	वृश्चि	19:34:36	गुरु	10/05/2025
केतु	20/11/2031	10:54:53	मक	हर्ष व	कुंभ	02:18:58	शनि	10/07/2028
शुक्र	21/07/2033	03:22:23	मक	नेप व	मक	14:49:18	बुध	11/05/2031
सूर्य	20/01/2034	10:06:41	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	21:02:20	केतु	10/07/2032

लग्न-चलित

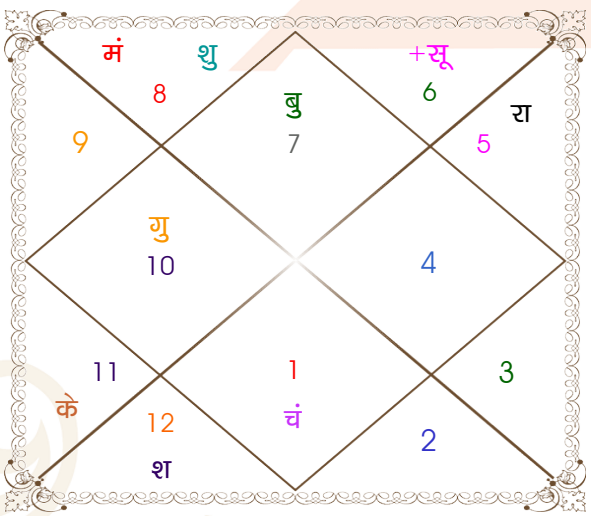

लग्न-चलित

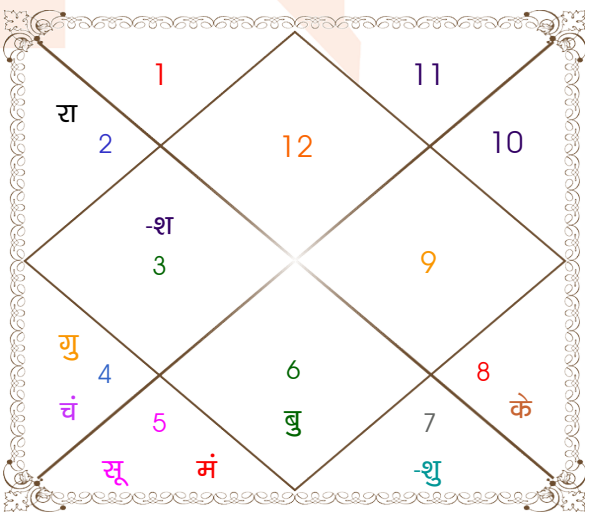

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	अश्व	मार्जार	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	चन्द्र	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

Mr. का वर्ग मृग है तथा Ms. का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।